"ऐ मेरे ब्लीस के लोगों"

ऐ मेरे ब्लीस के लोगों, जरा सुनना मेरी जुबानी
यह जन्म दिवस उनका है, जिनकी है पहचान पुरानी

यह गम्भीर धीर शुभचिन्तक, जिनकी हम पर है छाया
इनके ही सत्साहस के बल, यह उपवन लहराया
हर वक्त नसीहत इनकी, हल करती रही परेशानी
ऐ मेरे ब्लीस के लोगों, जरा सुनना मेरी जुबानी

संघर्ष सफल करने का, बीड़ा जो कभी उठाया
खुद अपनी ही निगरानी में, हमें आज यहां पंहुचाया
हम करते आज हैं वादा, हमें मंजिल सभी है पानी
ऐ मेरे ब्लीस के लोगों, जरा सुनना मेरी जुबानी

हम इनकी ही निगरानी में, हर लक्ष्य से आगे जाऐं
लक्ष्मी जी की पूजा करके, हर साल यह दिवस मनाऐं
इस ब्लीस परिवार के संग में, हमें खुशियां हैं बहुत मनानी
ऐ मेरे ब्लीस के लोगों, जरा सुनना मेरी जुबानी

राम सिंगार